वायु प्रदूषण

भूगोल में वायु प्रदूषण एक महत्वपूर्ण पर्यावरणीय मुद्दा है जो मुख्य रूप से सेमेस्टर 5 के पर्यावरण संबंध के अन्तर्गत आता है।

भूगोल में वायु प्रदूषण (Air Pollution in geography)
यह न केवल स्थानीय बल्कि क्षेत्रीय और वैश्विक समस्या है, जो वायुमंडलीय परिसंचरण द्वारा फैलती है।

वायुप्रदूषण के मुख्य कारण –

① प्राकृतिक कारण – ज्वालामुखी, ~~जंगलों और~~ वनों में आग लगना, धूल भरी आंधियां।

② मानवीय कारण – कोयला, पेट्रोल और डीजल का वाहनों और बिजली संयंत्रों में जलना।

③ → औद्योगीकरण – कारखानों की चिमनियों से हानिकारक गैसें और कालिख का निकलना।
कृषि गतिविधियां – पराली जलाना, कीटनाशकों और उर्वरकों का उपयोग
• अपशिष्ट प्रबंधन – कचरा जलाना।

वायु प्रदूषण के कारण पर्यावरणीय प्रभाव

इसका सीधा असर मानव के स्वास्थ्य पर पड़ता है। जिसमें श्वसन संबंधी बीमारियां जैसे दमा, ब्रोंकाइटिस)

हृदयरोग की समस्या, कैंसर और श्वसन संबंधी गंभीर बीमारियां हो जाती हैं।

पर्यावरण पर प्रभाव - वायु प्रदूषण के कारण -

① अम्लीय वर्षा : सल्फर और नाइट्रोजन ऑक्साइड के कारण
② ओजोन परत का क्षरण - क्लोरोफ्लोरोकार्बन (CFCs) द्वारा।
③ ग्लोबल वार्मिंग - ग्रीनहाउस गैसों (CO_2, मीथेन) के कारण तापमान में वृद्धि।
④ स्मॉग - कोहरा और धुंआ मिलकर दृश्यता कम कर देते हैं।

पारिस्थितिकी तंत्र - फसलों की उत्पादकता में कमी और जैव विविधता को नुकसान पहुंचता है।

उपाय - वृक्षारोपण करें।

=> कारखानों के चिमनियों में प्रेसिपिटेटर और फिल्टर का उपयोग करना चाहिए।

=> इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग

=> सौर, पवन और प्राकृतिक गैस जैसे स्रोतों का उपयोग करना चाहिए।